भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

06.04.2022 के

अतारांकित प्रश्न सं. 5735 का उत्तर

स्टेशनों पर विश्वस्तरीय सेवा

5735. श्री निहाल चन्द चौहान:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा रेलवे स्टेशनों के स्तर में सुधार लाने और देश के बड़े शहरों/महानगरों में स्थित स्टेशनों को विश्वस्तरीय स्टेशन बनाने के लिए कौन-कौन से व्यापक कदम उठाए गए हैं;

(ख) 'स्मार्ट स्टेशन' परियोजना के तहत चयनित स्टेशनों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा और इस संबंध में उपयोग किए गए/आवंटित बजट का ब्यौरा क्या है; और

(ग) पिछले दो वर्षों के दौरान देश में राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार कितने रेलवे स्टेशनों पर सुविधाओं का विस्तार करके इन्हें विश्व स्तर का बनाया गया है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

स्टेशनों पर विश्वस्तरीय सेवा के संबंध में 06.04.2022 को लोक सभा में श्री निहाल चन्द चौहान के अतारांकित प्रश्न संख्या 5735 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ग): रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए, विभिन्न छोटे व बड़े शहरों के स्टेशनों सहित भारतीय रेलों पर स्टेशनों के अपग्रेडेशन/आधुनिकीकरण/संवर्धन के लिए रेल मंत्रालय द्वारा विभिन्न विकास योजनाएं यथा मॉडल, मॉडर्न और आदर्श स्टेशन योजनाएं तैयार की गई हैं।

इस समय, स्टेशनों पर बेहतर यात्री सुख-सुविधाएं मुहैया करवाने की निर्धारित आवश्यकता के आधार पर 'आदर्श' स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों को अपग्रेड/आधुनिकीकृत किया जाता है। 'आदर्श' स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास हेतु भारतीय रेल में 1253 स्टेशनों की पहचान की गई है। इनमें से, 1213 स्टेशनों को विकसित किया गया है और शेष 40 स्टेशनों को वित्त वर्ष 2022-23 में विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है।

हाल ही में, 'रेलवे स्टेशन के प्रमुख अपग्रेडेशन' की एक नई योजना शुरू की गई है। इस योजना में परिकल्पित सुविधाओं में स्टेशन भवन का पुनर्निर्माण/सुधार/संवर्धन, स्टेशन परिसरों के लिए भीड़-भाड़ मुक्त प्रवेश/निकास, यात्रियों के आगमन/प्रस्थान का पृथक्करण, भीड़-भाड़ के बिना पर्याप्त कॉनकोर्स, जहां कहीं भी व्यवहार्य हो, शहर के दोनों छोरों का एकीकरण, उपयोगकर्ता अनुकूल संकेतक, परिचलन क्षेत्र में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और ड्रॉप-ऑफ, पिक अप और पार्किंग आदि के लिए पर्याप्त व्यवस्था एवं आवश्यकता और व्यवहार्यता के अनुसार अन्य सुविधाओं के साथ-साथ दिव्यांगजनों की सभी सुविधाएं शामिल हैं। अब तक, 41 स्टेशनों को इस योजना के तहत प्रमुख अपग्रेडेशन हेतु चिह्नित किया गया है।

साथ ही, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन और छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस को सार्वजनिक निजी भागीदारी के हाईब्रिड बिल्ड ऑपरेट एण्ड ट्रांसफर मॉडल के तहत विकसित करने के लिए चिह्नित किया गया है।

रानी कमलापति और गांधीनगर जैसे दो रेलवे स्टेशनों को क्रमशः 15.11.2021 और 16.07.2021 को विकसित और चालू कर दिया गया है। एक और स्टेशन, सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल, बेंगलुरु कमीशनिंग के लिए तैयार है।

स्टेशनों के विकास और अनुरक्षण के लिए आबंटन और व्यय के ब्यौरे क्षेत्रीय रेलवे-वार रखे जाते हैं न कि राज्य-वार। इन सुविधाओं को सामान्यतः योजना शीर्ष - 53 'यात्री सुविधाएं' के तहत वित्तपोषित किया जाता है। पिछले दो वर्षों अर्थात 2020-21, 2021-22 और चालू वर्ष 2022-23 के दौरान भारतीय रेल पर योजना शीर्ष-53 के तहत आबंटित निधियों और किए गए व्यय का ब्यौरा निम्नानुसार है:

(करोड़ रु. में)

वित्त वर्ष	आवंटन	व्यय
2020-21	2615.30	2582.92
2021-2022 (फरवरी 2022 तक)	2344.55	1566.32
2022-23	2700	-

*****